" धार " कैसी है

शब्द नहीं, अशब्द है ।

नाम नहीं, अनाम है ।

रूप नहीं, अरूप है ।

लख नहीं, अलख है ।

गम नहीं, अगम है ।

भेद नहीं, अभेद है ।

अन्त नहीं, अनन्त है ।

आदि नहीं, अनादि है ।

तत्व नहीं, अतत्व है ।

लोक नहीं, अलोक है ।

देंह नहीं, विदेह है ।

गति नहीं, अविगति है ।

चल नहीं, अचल है ।

खण्ड नहीं, अखण्ड है ।

मरता नहीं, अमर है ।

लेता नहीं, दाता है ।

अपूर्ण नहीं, पूर्ण है ।

असत्य नहीं, सत्य है ।

सुरेशा दयाल

ब्रम्हज्ञान योग संस्थान मोचकला

बिसवाँ सीतापुर (उत्तर प्रदेश)

सम्पर्क सूत्र - (9984257903)